Raj Express (Indore), 17th April 2026, Page – 04

इंजीनियरिंग, क्लाइमेट साइंस और इकोनॉमिक्स का अनोखा संगम

आईआईटी इंदौर में देश का प्रथम टी टेक प्रोग्राम किया जाएगा शुरू

जुलाई 2026 से 30 सीटों के साथ की जाएगी शुरुआत

इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

तकनीकी शिक्षा को नई दिशा देते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर ने देश का पहला टी-टैक प्रोग्राम एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स एंड सस्टेनेबल इंजीनियरिंग शुरू करने की घोषणा की है। यह कोर्स जुलाई 2026 से शुरू होगा, जिसमें केवल 30 छात्रों को जेईई एडवांस्ड के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 2025 में स्थापित मेहता फैमिली स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी के तहत शुरू किया जा रहा है, जो इंजीनियरिंग, पर्यावरण अर्थशास्त्र और क्लाइमेट साइंस को एक साथ जोड़ने वाला देश का पहला अंडरग्रेजुएट कोर्स होगा।

तीन बड़े क्षेत्रों पर फोकसः इस इनोवेटिव प्रोग्राम का करिकुलम तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है- एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी। एनर्जी सिस्टम्स एंड बैटरी टेक्नोलॉजी। वाटर एंड क्लाइमेट सिस्टम्स। इन सभी को अलग-अलग विषयों की तरह नहीं, बल्कि एकीकृत तरीके से पढ़ाया जाएगा, ताकि छात्र वास्तविक दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान कर सकें। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि जलवायु संकट तेजी से बढ़ रहा है और ऐसे में इस तरह का कार्यक्रम समय की मांग है। उनका कहना है कि यह कोर्स ऐसे ग्रेजुएट तैयार करेगा, जो विज्ञान और नीति-निर्माण के बीच की खाई को पाट सकें।

करियर के नए रास्ते खुलेंगे

इस प्रोग्राम से पास होने वाले छात्रों के लिए क्लाइमेट टेक्नोलॉजी, ग्रीन फाइनेंस, ईसीजी स्ट्रैटेजी, पॉलिसी एडवाइजरी और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर खुलेंगे, जहां आने वाले वर्षों में तेजी से ग्रोथ की उम्मीद है। 2009 में स्थापित आईआईटी इंदौर आज देश के प्रमुख रिसर्च संस्थानों में गिना जाता है। यहां 7 उत्कृष्टता केंद्र, 200 से अधिक टेक्नोलॉजी प्रोजेक्ट और बड़े इनोवेशन हब संचालित हो रहे हैं, जो इसे शिक्षा और रिसर्च का मजबूत केंद्र बनाते हैं।

स्किल्स पर खास जोर

विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति शर्मा के अनुसार, यह प्रोग्राम सिर्फ थ्योरी तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें इंडस्ट्री इंटर्नशिप, डेटा-आधारित निर्णय, सिस्टम मॉडलिंग और पर्यावरण मॉनिटरिंग जैसे स्किल्स पर खास जोर दिया जाएगा। छात्रों को नवीकरणीय ऊर्जा, मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने का मौका मिलेगा।इस कोर्स को मेहता फैमिली फाउंडेशन की सीएआरई एडवाइजरी टीम के सहयोग से विकसित किया है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ शामिल हैं। फाउंडेशन के संस्थापक राहुल मेहता ने इसे युवाओं के लिए सस्टेनेबिलिटी में करियर का मजबूत प्लेटफॉर्म बताया।